वी.सी.डी. 327 ता. 27.5.07 टी 0 पी 0 जी 0
Disc.CD No.327, dated 27.05.07 at Tadepalligudem

समय 7 सेकेण्ड
जिज्ञासू :–आज बाबा ने बच्चों को (मुरली में) इतनी छुट्टी दी कि डिससर्विस होती है इसलिए लाचारी हालत में तो (दूध और डबल रोटी) ले सकते। पहले तो नहीं दिया ना ऐसा?
बाबा :– लाचारी हालत में दूध और डबल रोटी भी ले सकते हैं– ये भी बोला है । बाकी ऐसा नियम नहीं बनाय लेना है कि जहाँ मौका मिला वहाँ खाना शुरू कर दिया ।

जिज्ञासू :– शंकर को स्वयंभू कहाँ जाता है?
बाबा :– स्वयंभू कहा जाता है। हाँ। भू माना जन्म लेने वाला। स्वयम्भू माना स्वयं जन्म लेने वाला। उसको कोई बाप जन्म नहीं देता है। वो स्वयं ही संसार में, जैसे बच्चा प्रत्यक्ष होता है तो कहा जाता है बच्चा जन्म लिया, पहले बच्चा गुप्त था बाद में संसार में प्रत्यक्ष हुआ; लेकिन उसको तो बाप ने जन्म दिया; लेकिन भगवान स्वयंभूँ है। उसको कोई बाप नहीं है जो जन्म देता हो। वो स्वयं संसार में प्रत्यक्ष होता है। माया कितना भी अपोजिशन करे। सारी दुनियां एक तरफ हो जाये और बाप एक तरफ हो जाये तो भी उसके प्रंत्यक्षता रूपी जन्म को कोई रोक नहीं सकता है। वो प्रत्यक्ष होकर ही रहेगा इसलिए उसको कहते है स्वयंभू। खुदा तो खुद है।

समय 11.5
जिज्ञासू :– बाबा त्रिलोक चित्र में तीन लोक दिखाया गया है साकार लोक, सूक्ष्म लोक और परमधाम। साकार लोक के ऊपर सूरज, चाँद, सितारे दिखाये। ये क्या वो ज्ञान सूर्य, ज्ञान चन्द्रमाँ, और ज्ञान सितारों का यादगार है?
बाबा :–हाँ जी ।
जिज्ञासू :– और उसके ऊपर सूक्ष्मलोक दिखाते हैं।
बाबा :– कोई भी सूक्ष्मलोक नहीं दिखाया है । वो जो दिखाते हैं वो सिर्फ बुद्धि की ऊँची स्टेज दिखाई गई है, जो इस साकार दुनियाँ को भूल जाते हैं। साकार दुनियां को भूलने के बाद तीन स्टेजिस बनती हैं। एक है ब्रह्मा की स्टेज, जो नई दुनियां की मनन, चिन्तन में ही रहता था। उनको नई दुनियां ही दिखाई पड़ती थी; लेकिन वो नई दुनियां कैसे आवेगी ये उनकी बुद्धि में नहीं चलता था। जैसे कोई बच्चे को खिलौना दे दिया जाये तो उस खिलौने से खेलता रहता है। ऐसे ही जो बच्चा बुद्धि ब्रह्मा है वो ऊँची स्टेज में रहता था; लेकिन वो ऊँची स्टेज इतनी ऊँची स्टेज नहीं है जिसे कहा जाये कि नई दुनियां में पहुँचने वाला तरीका जान जाये। तो तरीका जानने के लिए दो रूप हैं – एक प्रैक्टिकल रूप और दूसरा है प्लानिंग रूप। जो प्लानिंग पार्टी है वो नई दुनियां की प्लानिंग करती है। कैसे नई दुनियां आवेगी? क्या तरीका होगा? इन बातों में रमण करती है। और साकार दुनियां को भूली हुई रहती है वो बौद्धिक सबसे ऊँची स्टेज है। उनके बनाये हुये नक्शे के आधार पर, फिर प्रैक्टिकल पार्टी चलती है। और नई दुनियां का निर्माण करती है इसलिए उनको न सबसे ऊँचा और न नीचा कहेंगे। मीडियम। तो ये बौद्धिक तीन प्रकार की स्टेजिस हैं। एक प्लानिंग पार्टी, सबसे ऊँची स्टेज के बौद्धिक स्तर में मनन चिन्तन करने वाली और दूसरी है प्रैक्टिकल पार्टी और तीसरी है इन्सप्रिटिंग पार्टी। अपना शरीर नहीं रहता है फिर भी प्रैक्टिकल पार्टी और प्लानिंग पार्टी के बच्चों में प्रवेश करके उनको उमंग उत्साह देती रहती है; क्योंकि उनको सूक्ष्म शरीर होता (है), वो एक क्षण में भी कहीं से कहीं जा सकती हैं, आ सकती हैं और सहयोग दे सकती हैं। तो वो सूक्ष्म वतन सिर्फ समझाने के लिए दिखाया गया है तीन पुरियों में, बाकी कोई होता नहीं है। सिर्फ ये दिखाया गया है कि साकार दुनियां से पॉच तत्वों की दुनियां से बुद्धि परे की स्टेज में कैसे रहती है। इसलिए मुरलियों में कई जगह बोल भी दिया है सूक्ष्मवतन क्या होता है? कुछ भी नहीं।

जिज्ञासू :– बाबा सूक्ष्मवतन के ऊपर परमधाम दिखाया गया है। .....।
बाबा :– वो ऊपर इसलिए दिखाया गया है कि वहाँ सिर्फ बीज रूप स्टेज है। मनन–चिन्तन–मंथन भी नहीं है। मन की कोई स्टेज नहीं है। मन अमन हो जाता है। सिर्फ स्वरूप में स्थित होने की बात है।

Time – 7 seconds
Someone asked: Today, (in the Murli) Baba has permitted the children to the extent that (sometimes) disservice (may) take place; that is why one can consume in helpless condition. Earlier He did not permit like this.
Baba replied: It has also been said that – one can take milk and *doubleroti* (i.e.bread) under helpless condition (*laachaari*). Well, one should not make it a rule that wherever we get a chance, we start eating.

Someone asked: Why is Shankar called *Swayambhu*?
Baba replied: He is called *Swayambhu.* Yes. *Bhu* means one who takes birth. *Swayambhu* means one who takes birth on his own. No father gives birth to him. He (gets revealed) in the world himself. For example, when a child gets revealed, it is said that a child took birth. Earlier the child was incognito; later, he got revealed in the world. But a father has given birth to him. But God is *swayambhu* (self-born). He does not have any father to give birth to Him. He gets revealed in the world on His own, let however much opposition *maya* may do. Let the entire world may be on one side and the Father is on the other side, even then nobody can stop his reveletion-like birth. He would certainly get revealed, that is why He is called *swayambhu*. *Khuda* (God/Allah) is '*khud*', i.e. Himself.

Time 11.5
Someone asked: Baba, in the picture of '*Trilok*', the three abodes have been depicted - the corporeal world, the subtle world, and the Supreme Abode. The Sun, the Moon and the stars have been depicted above the corporeal world. Is it a memorial of the Sun of knowledge, the Moon of knowledge and the stars of knowledge?
Baba replied: Yes.
Someone asked: And above that the subtle world is shown.
Baba said: No subtle world has been depicted. That, which is shown, is only a depiction of the high stage of the intellect (of those), who forget this corporeal world. After forgetting the corporeal world, three stages are achieved. One is the stage of Brahma, who used to remain in the thinking and churning of the new world. He used to see only the new world, but how would that new world be brought about, that used not to come into his intellect. For example, if a child is given a toy, he keeps playing with that toy. Similarly, Brahma, with a child-like intellect used to remain in a high stage, but that high stage is not so high that he could be said to know the method of reaching the new world. So there are two forms to know the method – One is the practical form and the second is the planning form. The planning party plans for the new world. How would the new world come? What would be the methodology? It remains busy in these matters. And (it) forgets the corporeal world. That is the highest intellectual stage. The practical party acts on the basis of the map prepared by them. And (it) builds the new world; that is why they would be neither called the highest nor the lowest. Medium. So, these are the three stages of the intellect. One is the planning party, which thinks and churns at the highest stage of the intellectual level. And the second is the practical party and the third is the inspiriting party. They do not have their own body, even then they enter in the bodies of the children belonging to the practical party and the planning party and keeps giving them zeal and enthusiasm because they possess a subtle body, they can go,

come and extend cooperation from anywhere to anywhere in a moment . So, that subtle world has been depicted only for the purpose of explanation as the three abodes, but as such it does not exist. It has just been depicted that how does the intellect remain in a stage detached from the corporeal world, from the world of five elements. That is why it has even been said at many places in the Murlis that – what is the subtle world? Nothing.

Someone asked – Baba *Paramdham* has been shown above the subtle world.....
Baba replied – That has been shown above only because there is only the seed-like stage there. There is not even any thinking and churning. There is no stage of the mind. The mind becomes *aman* (peaceful/without mind). It is only a matter of becoming constant in the form.
……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.